LOKAYUKT NEWS
सम्बद्ध: हिन्दी दैनिक लोकायुक्त

Website-lokayukt.com
"Facebook-https://m.facebook.com/Lokayuktnews/"
Twitter-https://mobile.twitter.com/indialokayukt"
Youtube-https://youtube.com/channel /
UC2uCUYv4rMU3LeOoBVQVfng

दैनिक
उ.प्र.,म.प्र., उत्तरांचल, बिहार एवं दिल्ली में प्रसारित
लोकायुक्त
सत्य के साथ, भ्रष्टाचार के खिलाफ
LOKAYUKT

वर्ष–11, अंक–364 (प्रातःकालीन) | लखनऊ,सोमवार 26 जनवरी, 2026 | R.N.I.No.UPHIN/2015/63472 | पृष्ठ–4, | मूल्य–1/–

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दी 77वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री ने लगभग 19 लाख छात्रों को 944.55 करोड़ की छात्रवृत्ति डीबीटी से की हस्तांतरित

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को राजधानी लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम के दौरान विपक्ष पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि 12 बजे तक सोकर उठने वाले बबुआ को गरीबों के बच्चों की पढ़ाई की चिंता कहां थी? पिछली सरकारों में परिवारवाद, भ्रष्टाचार व लापरवाही के कारण छात्रवृत्ति जैसी योजनाएं गरीबों तक नहीं पहुंच पाती थीं। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने निष्पक्ष एवं पारदर्शी डीबीटी प्रक्रिया के तहत वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए प्रदेश के 18,78,726 छात्र–छात्राओं के बैंक खातों में 944.55 करोड़ की

छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति का अंतरण किया। उन्होंने प्रदेशवासियों को 77वें गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं भी दीं।

डीबीटी से खत्म हुआ भ्रष्टाचार का खेल

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि पूर्व सरकारों ने गरीबों के बच्चों की पढ़ाई पर कभी ध्यान नहीं दिया। 12 बजे तक सोकर उठने वाले बबुआ को गरीबों के बच्चों की चिंता कहां से होगी? जो सूरज निकलने के बाद उठे, उसे सूर्योदय की बात भी फिजूल लगेगी। ऐसे लोग न प्रदेश की चिंता कर सकते हैं और न ही गरीबों की। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब सरकार की नीयत साफ होती है और नीति स्पष्ट होती है, तब भ्रष्टाचार रूपी दानव पर नियंत्रण संभव होता है। पहले छात्रवृत्ति योजनाएं कई स्तरों पर भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती थीं। कभी सरकार की नीयत खराब होती थी, कभी परिवारवाद आड़े आता था, कभी विभागीय भ्रष्टाचार के कारण पैसा गरीब छात्रों तक नहीं पहुंचता था। आज डीबीटी के माध्यम से एक क्लिक में सभी वर्गों के करीब 19 लाख छात्रों के खातों में पैसा पहुंचा, बिना किसी भेदभाव के।

गणतंत्र दिवस पर छात्र–छात्राओं को बड़ी सौगात

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित इस कार्यक्रम को सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम इस बात का प्रमाण है कि सरकार शिक्षा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्ववंचित को वरीयता, पिछड़ों को प्राथमिकताह्व विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि कोई भी छात्र शिक्षा से वंचित न रहे। तकनीक के माध्यम से ई–गवर्नेंस को ईजी गवर्नेंस में बदला गया है, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित हुई है।

छात्रों की सफलता की कहानियों का किया उल्लेख

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में छात्रवृत्ति से लाभान्वित होकर सफल हुए छात्रों की उपलब्धियों का जिक्र किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम में कंप्यूटर सहायक बनी एक छात्रा का उदाहरण देते हुए कहा कि बेटियों का स्वावलंबी होना सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि है। प्रदेश सरकार की ऐसी ही योजनाएं युवाओं को आत्मनिर्भर बनाकर राष्ट्र निर्माण में सहभागी बना रही हैं।

शिक्षा ढांचे में ऐतिहासिक सुधार

मुख्यमंत्री ने बताया कि ऑपरेशन कायाकल्प के माध्यम से परिषदीय विद्यालयों की स्थिति बदली गई है। अब विद्यालयों में भवन, शिक्षक, सुविधाएं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध है। आंगनबाड़ी केंद्रों में प्री–प्राइमरी शिक्षा, पोषण मिशन, कस्तूरबा गांधी विद्यालय, अटल आवासीय विद्यालय और कम्पोजिट स्कूलों के माध्यम से शिक्षा व्यवस्था को सशक्त किया गया है। मुख्यमंत्री ने अभ्युदय कोचिंग योजना के तहत नीट, जेईई और यूपीएससी की तैयारी की सुविधा का जिक्र किया।

'यूपी भारत की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन' :योगी

डबल इंजन की सरकार डबल स्पीड से कर रही विकास

–मथुरा में सीएम योगी आदित्यनाथ ने नितिन नवीन का किया स्वागत

निरंजन धुरंधर/लोकायुक्त न्यूज

मथुरा। राधे राधे, वृंदावन बिहारी लाल की जय। मथुरा आए योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन की शुरूआत राधे के नाम से की। उन्होंने कहा भाजपा के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का भगवान कृष्ण की लीलाभूमि पर स्वागत है। नितिन नवीन युवा ऊर्जा के प्रतीक हैं, पांच बार विधानसभा में विधायक के रूप में सेवा दे रहे हैं। भाजपा के विभिन्न पदों का निर्वहन किया। अब पीएम के मार्गदर्शन में भाजपा ने नया दायित्व दिया है। ब्रजभूमि हमारी प्राचीन काल से तीर्थ भूमि रही है। यहां की रज रज में राधारानी कृष्ण का हजारों वर्षों की विरासत का अंश आज भी है। पं.दीन दयाल उपाध्याय की पावन भूमि यही मथुरा है। आज उत्तर प्रदेश पीएम मोदी की प्रेरणा से बीमारी राज्य नहीं बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था का संबल बन रहा है। डबल इंजन की सरकार डबल स्पीड के साथ बड़े कार्यों को धरातल पर उतार रही है। बिना भेदभाव के वंचित को शासन की योजना का लाभ समाज के प्रत्येक तबके को दिया जा रहा है। विरासत को सम्मान देने का कार्य किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश का नौजवान पहचान का मोहताज नहीं है।एक समय प्रदेश के सामने पहचान का संकट खड़ा किया गया। विरासत को लोग कोसते थे। बीमारी राज्य होने के नाते लोगों का दृष्टिकोण भिन्न था। अब प्रदेश भारत की इकोनॉमी का ग्रोथ इंजन बनकर काम कर रहा है। आधी आबादी भी जुड़कर कार्य कर रही है। यही भाजपा के प्रति आम जन का प्रतीक भी है। प्रधानमंत्री की प्रेरणा और निर्देशन में प्रदेश ने नौ वर्षों में विकास के नए आयाम बनाए हैं।

राज्य सरकार ने मोहिनी, शिप्रा राठी,मानसी,स्नेहिल सम्मानित कीं

उत्तर प्रदेश दिवस पर सम्मान का भव्य आयोजन, सम्मानित महिलाएं मथुरा का गौरव: प्रभारी मंत्री

निरंजन धुरंधर/लोकायुक्त न्यूज

मथुरा। उत्तर प्रदेश दिवस के उपलक्ष्य में मथुरा की उन प्रतिभाओं का अभिनंदन किया गया जिन्होंने अपने कार्यों से व दक्षता से ब्रज का गौरव बढ़ाया है। इन सभी विभूतियों को सरकान द्वारा सम्मानित किया गया। उत्तर प्रदेश दिवस का यह भव्य आयोजन बीएसए कॉलेज के सभागार में हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि व मथुरा के प्रभारी व बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री संदीप सिंह उपस्थित रहे। उनके साथ मथुरा–वृंदावन नगर निगम के महापौर विनोद अग्रवाल तथा मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीणा ने संयुक्त रूप से मंच पर सभी प्रतिभाओं को सम्मान प्रदान किया। इस अवसर पर वृंदावन की सुप्रसिद्ध भजन गायिका एवं कथावाचक मोहिनी कृष्णदासी, खजानी वूमेन्स इंस्टिट्यूट की संचालिका श्रीमती शिप्रा राठी, कृष्ण कुटीर महिला आश्रय सदन का संचालन करने वाले 'सार्वजनिक शिक्षान्नयन संस्थान? की अध्यक्ष स्नेहिल पांडे तथा सुप्रसिद्ध कथक नृत्यांगना एवं प्रशिक्षिक सुश्री मानसी राजपूत को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर एवं पुष्प भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि मथुरा जिला प्रशासन और योगी सरकार को इन प्रतिभाशाली महिला और पुरुषों पर गर्व है। इन सभी ने समाज में उल्लेखनीय योगदान देकर अपने–अपने क्षेत्र में विशिष्ट पहचान बनाई है।

रेलवे सुरक्षा में उत्कृष्ट सेवा के लिए आरपीएफ-आरपीएसएफ कर्मियों को राष्ट्रपति पदक !

लोकायुक्त न्यूज

गोरखपुर। गणतंत्र दिवस 2026 के अवसर पर भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) एवं रेलवे सुरक्षा विशेष बल (आरपीएसएफ) के अधिकारियों और कर्मियों को उनकी विशिष्ट, समर्पित एवं अनुकरणीय सेवा के लिए राष्ट्रपति विशिष्ट सेवा पदक (पीएसएम) और राष्ट्रपति मेधावी सेवा पदक (एमएसएम) से सम्मानित किया है। राष्ट्रपति विशिष्ट सेवा पदक (पीएसएम) से दक्षिण मध्य रेलवे की महानिरीक्षक सुश्री अरोमा सिंह ठाकुर को सम्मानित किया गया है। यह पदक रेलवे सुरक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट नेतृत्व, कर्तव्यनिष्ठा और प्रभावी योगदान के लिए प्रदान किया गया। वहीं राष्ट्रपति मेधावी सेवा पदक (एमएसएम) से दक्षिण मध्य रेलवे, पूर्वी तट रेलवे, उत्तरी रेलवे, पश्चिमी रेलवे और आरपीएसएफ से जुड़े कई अधिकारियों व जवानों को सम्मान मिला है। इनमें सहायक सुरक्षा आयुक्त, सहायक कमांडेंट, निरीक्षक, उप निरीक्षक, सहायक उप निरीक्षक, हेड कांस्टेबल एवं कांस्टेबल स्तर के कर्मी शामिल हैं, जिन्होंने अपनी सूझबूझ, साहस और कर्तव्यपरायणता से रेलवे सुरक्षा को सुदृढ़ किया। पीएसएम पदक विशिष्ट एवं असाधारण सेवा के लिए प्रदान किया जाता है, जबकि एमएसएम पदक निरंतर उत्कृष्ट कार्य, समर्पण और पेशेवर दक्षता के लिए दिया जाता है। ये सम्मान प्रत्येक वर्ष गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रदान किए जाते हैं, ताकि आरपीएफ और आरपीएसएफ कर्मियों को भारतीय रेलवे की सुरक्षा में सर्वोच्च मानक बनाए रखने के लिए प्रेरित किया जा सके।

सम्पादकीय......

भारतीय गणतंत्र में आम आदमी कहाँ है ?

भारत अपना सतहत्तर वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। भारतीय संविधान के लागू होने के स्मृति दिवस के रूप में इस दिवस देश की समृद्धि का परिचय कर्तव्य पथ पर दिया जाता है। जिसमें देश की सैन्य क्षमता से लेकर विभिन्न प्रान्तों की विशेषताओं से देश को अवगत कराया जाता है। बहु संस्कृति को व्यक्त करती हुई सांस्कृतिक विविधता प्रदर्शित करने वाली प्रस्तुतियों से देश की अनेकता में एकता की छवि प्रस्तुत की जाती है। गणतंत्र दिवस के राष्ट्रीय पर्व पर देश की उपलब्धियों एवं विकास यात्रा का यह अद्भुत दृश्य प्रत्येक भारतवासी को गौरव की अनुभूति कराता है। अब भारत गणराज्य की वास्तविक संवैधानिक स्थिति का अध्ययन करें, कि क्या वास्तव में गणतंत्र में गण ही सर्वोच्च शक्ति है ? क्या लोकतान्त्रिक मूल्यों का अनुपालन समानता के आधार पर किया जा रहा है ? क्या सभी नागरिकों के लिए समान न्याय व्यवस्था लागू है ? क्या आम नागरिक को समान नागरिक अधिकार प्राप्त हैं ? क्या देश में समान नागरिक संहिता लागू है ? भले ही राष्ट्राध्यक्ष वंशानुगत नहीं, बल्कि प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित होता हो तथा शासन की शक्ति जनता में निहित होती हो, मगर क्या जनता को समान लोकतांत्रिक अधिकार प्राप्त हैं ? यह प्रश्न भारत को संवैधानिक व्यवस्था एवं गणतंत्र पर सवाल खड़े करते हैं। विचारणीय बिंदु यह भी है कि किसी भी राष्ट्र का सर्वांगीण विकास राष्ट्र के नागरिकों की राष्ट्र के प्रति समर्पण भावना से ही संभव होता है, यदि नागरिकों में राष्ट्र सर्वोपरि की भावना नहीं होगी, तो राष्ट्र से पहले व्यक्तिगत स्वार्थ का बोलबाला होना स्वाभाविक ही है। देश का दुर्भाग्य यही है, कि पंथ निरपेक्षता के नाम पर कुछ लोग राष्ट्र की अपेक्षा अपने धर्म को प्राथमिकता पर रखते हैं,, कुछ नागरिक जातीय संकीर्णता से ग्रस्त हैं। अनेक राजनीतिक दलों का अस्तित्व ही जातीय गठजोड़ पर निर्भर है। कुछ वंशवादी परिवारों ने राजनीति की पारिवारिक दुकानें खोल रखी हैं, विधायक और सांसद जैसे पदों पर परिवार के सदस्यों का ही कब्जा है। विडंबना यह भी है कि देश में गण गौण हो गया है। वह समान नागरिक अधिकारों से वंचित है। जातीय संकीर्णता के चलते आम आदमी की पहचान ही उसके जातीय अस्तित्व से होती है। जातियों में बंटे समाज में सरकारी स्तर पर जाति प्रमाण पत्र बाँट कर उसे दलित, पिछड़ा में बांटकर समाज का बंटवारा संवैधानिक आधार पर किया जाता है। तथाकथित अगड़ी जातियों के नागरिकों को न तो जाति प्रमाणपत्र प्रदान किया जाता है, न ही उसके अगड़े होने का कोई कारण स्पष्ट किया जाता है, कि दुर्बल आय वर्ग का व्यक्ति अगड़ा किस आधार पर है। सबसे दुखद एवं अमानवीय स्थिति तो तब होती है, जब जातीयता को निशाना बनाकर समाज में तथाकथित अगड़ी जातियों के नागरिकों के विरूद्ध दलित व पिछड़ी जातियों के नागरिकों को झूठी शिकायत करने के अधिकार दे दिए जाते हैं, जिस अधिकार का दुरूपयोग बड़े पैमाने पर किया जाता है। सीधा सा अभिप्राय यही है कि गणों को आपस में ही उलझा कर राजनीति के दिग्गज मूल मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ते। वर्तमान वैश्विक परिवेश में भारत उभरती हुई शक्ति है, जिसके लिए देश में आंतरिक लोकतंत्र की सुदृढ़ता अपेक्षित है। जिसके लिए प्रत्येक नागरिक का योगदान अपेक्षित होता है, किन्तु जाति, धर्म और संप्रदाय की संकीर्ण सोच में सिमटे नागरिकों को व्यापक रूप से सोचने का अवसर ही नहीं मिलता। शिक्षण तथा रोजगार के क्षेत्र में आरक्षण की व्यवस्था, चिकित्सा क्षेत्र में विशिष्ट पाठ्यक्रमों में निर्धारित मानकों की अनदेखी करके अयोग्यता को प्रवेश देने की नीति, शिक्षा क्षेत्र में जातीय आरक्षण को प्राथमिकता स्वस्थ लोकतंत्र को बैसाखियों पर धकेलने तक सीमित है। ऐसे में किस आधार पर भारत वैश्विक चुनौतियों का सामना कर सकेगा ? यह गंभीर चिंता का विषय है। अब भारत की अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं की सुरक्षा की चर्चा करें, तो स्पष्ट होगा, कि सीमा सुरक्षा बलों की चाक चौबंद निगरानी के उपरांत भी रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों की देश में भरमार है। देश के शायद ही कुछ जिले ऐसे हों, जिनमें घुसपैठियों की उपस्थिति न हो। देश में मुफ्तखोरी की सुविधाओं का लाभ येन केन प्रकारेण ऐसे तत्व भी ले रहे हैं।

संवैधानिक मूल्यों का पालन करते हुए चुनौतियों पर विजय पाने का अवसर

26 जनवरी को भारत अपने गणतंत्र का 76 वां वर्ष हर्षोल्लास से मना रहा है। 26 जनवरी 1950 को भारत ने अपने संविधान को लागू किया था। 75 वर्षों की भारत की यह यात्रा चुनौतियों से भरी हुई लेकिन एक सफल लोकतंत्र की कहानी है। हमारी इस सफलता में भारत के संविधान का महत्वपूर्ण योगदान है। संविधान सभा द्वारा अपना यह संविधान 26 नवंबर 1949 को राष्ट्र को समर्पित किया गया था। हमने उस समय यह संकल्प दोहराया था कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक न्याय देने के प्रति हम प्रतिबद्ध हैं। हम अपनी-अपनी श्रद्धा एवं आस्थाओं का पालन करते हुए बंधुभाव के साथ राष्ट्र की एकता एवं अखंडता को अक्षुण्ण रखेंगे। हमारे संविधान की विशेषताओं के संदर्भ में अफ्रीकी नेता नेल्सन मंडेला ने कहा था कि ह्ल भारत का संविधान दक्षिण अफ्रीका सहित कई अन्य उभरते लोकतंत्रों के लिए प्रेरणा बना है, क्योंकि इसने विविधता में सम्मान सिखाया है ।" गणतंत्र दिवस के इस उत्सव के अवसर पर ह्लहम भारत के लोगोंह्व को भविष्य की चुनौतियों के प्रति सजग रहते हुए उन चुनौतियों पर विजय प्राप्त कर प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत के संकल्प को पूर्ण करना है।प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने पंचप्रण के आह्वान में भारतवासियों से सभी प्रकार की गुलामी से मुक्ति का आह्वान किया है। कुछ विदेशी विद्वानों द्वारा योजनाबद्ध पद्धति से भारतीय समाज में हमारी व्यवस्थाओं, इतिहास, महापुरुषों एवं संस्कृति के प्रति हीनता का भाव उत्पन्न किया गया, इसका परिणाम हुआ कि हमारा समाज आत्महीनता के भाव से ग्रसित हुआ है। हमारे राष्ट्र का आधार क्या है, किन मूल्यों के आधार पर हम आगे बढ़ेंगे ऐसे विषयों पर संपूर्ण राष्ट्र संभ्रम में है।

भारत ही दुनिया का ऐसा देश है जिसके नाम भी दो (भारत और इंडिया) हैं यह स्थिति ही भारत के अनेक विवादों का कारण है। डॉ. एस. राधाकृष्णन का संविधान सभा का भाषण -ह्ल राष्ट्रीयता निर्भर करती है , उस जीवन पद्धति पर जिसे चिरकाल से हम बरतते चले आ रहे हैं। यह जीवन पद्धति तो इस देश की निजी वस्तु है।ह्व महात्मा विदुर जी ने कहा था कि ह्लसंभ्रम की स्थिति में राजा,प्रजा सहित संपूर्ण राष्ट्र समाप्त हो जाता है।ह्व गणतंत्र दिवस के अवसर पर भारत के गौरव का स्मरण कर संभ्रमरहित अपने सांस्कृतिक मूल्यों के आधार पर समाज के जागरण का संकल्प लें15 अगस्त को लाल किले से अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में बदलते जनसांख्यिकी परिवर्तन पर चिंता व्यक्त की थी । जनसंख्या के इस असंतुलन के कारण भारत का विभाजन हम देख चुके हैं। योजनाबद्ध पद्धति से अनेक माध्यमों से भारत में धार्मिक आधार पर जनसंख्या परिवर्तन को पुनः आकार देने का कार्य हो रहा है। घटती हिंदू जनसंख्या एवं उसके परिणाम पाकिस्तान एवं बांग्लादेश में हम प्रतिदिन होने वाली घटनाओं से अनुभव कर सकते है। मिस्र, तुर्की, ईरान, लेबनान, कोसोवो भी बढती जनसंख्या के कारण समाप्त हुई अपनी प्राचीन संस्कृति के साक्षी है। हम भारत के लोग इन आसन्न खतरों को पहचानकर विदेशी घुसपैठियों को ह्लअीड्रीू३, ऊी¹ड्री, ऊीस्रङ्म१३ह्व करने में सहायक बनकर लोकतंत्र को बचाने में सहभागी बने। विश्व में भारत की बढ़ती शक्ति के कारण अनेक विदेशी शक्तियां,विदेश प्रेरित व्यक्ति एवं संस्थाएँ परेशान दिखाई दे रही है। इस परेशानी के कारण वह मान्यता प्राप्त संवैधानिक संस्थाओं एवं व्यवस्थाओं को बदनाम करने का निरंतर प्रयास भी कर रहे हैं। अनेक देशों द्वारा प्रशंसित विश्व में अपना विशिष्ट महत्व रखने वाले भारतीय चुनाव आयोग एवं ईवीएम पर आरोप लगाना , सीएए का आधार लेकर भ्रम निर्माण करते हुए समाज में संघर्ष खड़ा करना, संविधान बदलने एवं आरक्षण हटाने जैसे आरोप लगाना, किसान आंदोलन के नाम पर होने वाली घटनाएं यह सब इसी के जीवंत प्रमाण है। श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में प्रारंभ हुए आंदोलनों द्वारा चुनी हुई सरकारों को बदलने में भी इन्ही शक्तियों का हाथ बताया जाता है। ऋ९ठेके नाम पर भारत में भी वह यह स्वप्न संजोए हैं। 26 नवंबर 1949 को बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने अपने संविधान सभा के अंतिम भाषण में कहा था कि यह ह्लऋ१ेँ१ डाअल्लं१ँ८ह्व(अराजकता का व्याकरण) है। उन्होंने कहा कि ह्लयह तथाकथित जनआंदोलन लोकतांत्रिक व्यवस्था के विरुद्ध प्रचार को हथियार के रूप में प्रयोग करने का प्रयास था।ह्व भारत में विदेशी सहायता प्राप्त अनेक स्वयं सेवी संगठन (ठ.ऋड.) इस अराजकता के पीछे सक्रिय है। अनेक देशों में परस्पर संघर्ष कराकर एवं आर्थिक साम्राज्यवाद के माध्यम से विश्व में अपने प्रभुत्व का समर्थन देखने वालों के लिए भारत को स्वदेशी एवं आत्मनिर्भरता के आधार पर विकसित एवं सुरक्षित बनाना ही उत्तर होगा। पश्चिमी एवं साम्यवादी विचारों से प्रेरणा प्राप्त अनेक विद्वान भारत को राष्ट्र नहीं अनेक राष्ट्रों के समूह के रूप में देखते हैं। उत्तर-दक्षिण, आर्य-द्रविड़ आदिवासी-शहरी, दलित - हिंदू आदि के आधार पर भेदभाव को सैद्धांतिक मान्यता प्रदान करना यह उन समूहों का प्रयास रहा है। अर्बन नक्सलवादियों एवं सशस्त्र विद्रोहियों के आधार पर तथाकथित समानता लाने वाले लोग भारत के विभाजन के स्वप्न ही सदैव से देखते रहे हैं । भारत सदैव से एक राष्ट्र है,उसकी संस्कृति एक है, विविधता (वल्ल३८ल्ल ऊ्रा१२३८) में ही हमने एकता के दर्शन किए हैं। आसेतु हिमाचल हम एक है। इस सत्य की अनुभूति न होने के कारण स्वार्थवश अल्पज्ञानी सत्तालोलुप राजनीतिक नेतृत्व विभाजनकारी वक्तव्य देने का कार्य कर रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किया गया प्रकल्प एक भारत - श्रेष्ठ भारत इसी एकत्व की अनुभूति हम भारतवासियों को कराता है। काशी - तमिल संगमम इसका जीवंत उदाहरण है। हम भारत के लोगों ने करोड़ों भारतवासियों को इस सत्य की अनुभूति कराने का सफल प्रयास करना है। भारत की सरकार ने 31मार्च 2026 तक भारत को नक्सलवाद से मुक्ति दिलाने का संकल्प लिया है।

अधिकारों के उत्सव के साथ कर्तव्यों के निर्वहन का भी पर्व

26 जनवरी केवल राष्ट्रीय पर्व नहीं है। यह आत्म-मंथन का अवसर है, यह सोचने का कि एक नागरिक के रूप में हम अपने अधिकारों के प्रति जितने सजग हैं, क्या अपने कर्तव्यों के प्रति भी उतने ही उत्तरदायी हैं। इसी दिन भारत ने स्वयं को एक गणतांत्रिक राष्ट्र के रूप में स्थापित किया था। हमारे संविधान ने हमें केवल गणतंत्र नहीं दिया, बल्कि एक सशक्त, समावेशी और उत्तरदायी राष्ट्र के निर्माण की साझा जिम्मेदारी भी सौंपी।

आज जब भारत एक आधुनिक, आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब यह जिम्मेदारी सबसे अधिक युवाओं के कंधों पर आ टिकती है। देश का वर्तमान भले ही अनुभव और परंपरा से संचालित हो, लेकिन उसका भविष्य युवाओं की सोच, उनके आचरण और उनके मूल्यों से ही आकार लेगा। गणतंत्र की मजबूती का असली पैमाना यही है कि उसका युवा वर्ग अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों को कितनी गंभीरता से स्वीकार करता है।

कर्तव्य की पाठशाला: समाज की सामूहिक जिम्मेदारी

कर्तव्यों की समझ केवल पाठ्यपुस्तकों से नहीं आती। इसके लिए परिवार, समाज और संस्थाओं की साझा भूमिका आवश्यक है। युवाओं को यह बोध कराना होगा कि राष्ट्रप्रेम केवल नारों, प्रतीकों या सोशल मीडिया की अभिव्यक्तियों तक सीमित नहीं है। वह हमारे दैनिक आचरण में दिखाई देता है, अनुशासन में, ईमानदारी में और सामाजिक संवेदनशीलता में। जब कोई युवा यातायात नियमों का पालन करता है, सार्वजनिक संपत्ति को अपनी संपत्ति की तरह सुरक्षित रखता है, पर्यावरण के प्रति सजग रहता है या समाज के वंचित वर्ग के लिए आगे आता है, तो वह प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से गणतंत्र की नींव को मजबूत करता है। यही छोटे-छोटे आचरण लोकतंत्र को व्यवहारिक रूप से जीवंत बनाते हैं।

अधिकार, कर्तव्य और रोजगार: परस्पर पूरक संबंध

समकालीन भारत में युवाओं के सामने सबसे बड़ा प्रश्न रोजगार का है। इस संदर्भ में अधिकार और कर्तव्य को अलग-अलग नहीं देखा जा सकता। वास्तव में, कर्तव्य और रोजगार परस्पर पूरक हैं। यदि युवा शिक्षा, कौशल विकास और आत्म-अनुशासन को अपना प्राथमिक कर्तव्य मान लें, तो वे केवल रोजगार की प्रतीक्षा करने वाले नहीं रहेंगे, बल्कि नए अवसर सृजित करने वाले बन सकते हैं। एक जिम्मेदार नागरिक ही एक कुशल पेशेवर बनता है। जब कोई युवा अपने कार्य को ईमानदारी और निष्ठा से करता है,चाहे वह छात्र हो, कर्मचारी हो, उद्यमी हो या किसान,तो वही उसका राष्ट्र के प्रति सबसे सार्थक योगदान होता है। राष्ट्र निर्माण केवल नीतियों या घोषणाओं से नहीं, बल्कि कार्यस्थलों पर निभाई गई जिम्मेदारियों से होता है। आज का युग सूचनाओं की तीव्रता का युग है। डिजिटल माध्यमों ने अभिव्यक्ति के नए अवसर दिए हैं, लेकिन इसके साथ ही भ्रम की चुनौतियाँ भी खड़ी की हैं। सोशल मीडिया पर क्षणिक लोकप्रियता और बिना जिम्मेदारी की अभिव्यक्ति कई बार युवा ऊर्जा को गलत दिशा में मोड़ देती है। संविधान हमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है, किंतु यह स्वतंत्रता उत्तरदायित्व से अलग नहीं है। युवाओं को यह समझना होगा कि उनके अधिकार वहीं समाप्त होते हैं, जहाँ से दूसरों के अधिकार प्रभावित होने लगते हैं। असहमति लोकतंत्र की ताकत हो सकती है, पर अराजकता उसकी जड़ों को कमजोर करती है। आज आवश्यकता ऐसे युवाओं की है, जो डिजिटल मंचों पर प्रतिक्रिया देने से पहले संवैधानिक मयार्दाओं और सामाजिक प्रभावों पर विचार करें।

राष्ट्र निर्माण केवल राजनीति या शासन की परिधि तक सीमित नहीं है। एक शिक्षक जो ईमानदारी से पढ़ाता है, एक डॉक्टर जो सेवा को सर्वोपरि रखता है, एक किसान जो कठिन परिस्थितियों में भी उत्पादन करता है, या एक युवा जो नवाचार के माध्यम से रोजगार के नए अवसर पैदा करता है वे सभी राष्ट्र निमार्ता हैं। यदि युवा यह संकल्प ले कि वह शॉर्टकट, असहिष्णुता और गैर-जिम्मेदार आचरण से दूरी बनाएगा, तो वही संकल्प भारत के भविष्य की सबसे ठोस आधारशिला बनेगा। इस गणतंत्र दिवस पर आवश्यक है कि हम अधिकारों के उत्सव के साथ-साथ कर्तव्यों के निर्वहन को भी अपना गौरव बनाएं। जब युवा अपने व्यक्तिगत सपनों को राष्ट्र के दीर्घकालिक संकल्पों से जोड़ देगा, तब भारत के विकास पथ को कोई बाधा नहीं रोक पाएगी क्योंकि एक सशक्त गणतंत्र वही है, जहाँ युवा केवल प्रश्न नहीं पूछते, बल्कि समाधान की जिम्मेदारी भी उठाते हैं।

प्रथम गणतंत्र दिवस की रोचक बातें

गणतंत्र दिवस की पहली परेड 26 जनवरी 1950 को दिल्ली में इरवीन एमफीथियेटर स्टेडियम से राष्ट्रपति भवन तक निकाली गई थी । इस स्टेडियम को वर्तमान में मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम कहा जाता है। इस परेड में तत्कालीन इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुकर्णो मुख्य अतिथि थे और डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद ने इस दिन राष्ट्रीय ध्वज फहराया था। डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद को राष्ट्रपति बनाने के लिए 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा के विशेष सत्र का आयोजन किया गया था। उन्हें सर्वसम्मति से भारतीय गणराज्य का राष्ट्रपति चुना गया था।डॉ. राजेंद्र प्रसाद घोड़ा गाड़ी में राष्ट्रपति भवन से इरविन एमफीथियेटर स्टेडियम तक आए थे। इन्होंने पहले राष्ट्रपति पद की शपथ ली उसके

बाद राष्ट्रीय ध्वज फहराया। राष्ट्रपति को 21 तोपों की सलामी दी गई थी। 3000 सैनिकों ने परेड में भाग लिया,जिसका नेतृत्व राष्ट्रपति ने स्वयं घोड़ा गाड़ी में किया था। वायु सेना के विमानों ने भी आसमान में अपने करतब दिखाए थे। इन्होंने पहले राष्ट्रपति पद की शपथ ली उसके बाद राष्ट्रीय ध्वज फहराया। राष्ट्रपति को 21 तोपों की सलामी दी गई थी। 3000 सैनिकों ने परेड में भाग लिया,जिसका नेतृत्व राष्ट्रपति ने स्वयं घोड़ा गाड़ी में किया था। वायु सेना के विमानों ने भी आसमान में अपने करतब दिखाए थे। सन 1950 से 1954 तक गणतंत्र दिवस का समारोह किंग्सवे कैंप जिसे आज राजपथ या कर्तव्य पथ कहा जाता है ,लाल किला मैदान, और रामलीला मैदान में बनाए जाते रहे। सन 1955 से यह स्थाई रूप से राजपथ जिसे अब कर्तव्य पथ कहते हैं ,पर मनाया जाता है। 26 नवंबर 1949 को संविधान पूर्ण हो गया था और संविधान सभा में पास हो गया था। जिसको 26 जनवरी 1950 से लागू किया गया, और भारत एक संपूर्ण गणतंत्र हो गया और यह संविधान भारत पर लागू हो गया। सन 2015 से 26 नवंबर को प्रतिवर्ष संविधान दिवस के रूप में मनाया जाने लगा है। संविधान को प्रेम बिहारी नारायण रायजादा ने अपने हाथ से लिखा था और इसकी कोई फीस नहीं ली थी पर एक शर्त रखी थी जिसके अनुसार संविधान के हर पन्ने पर उनका नाम लिखा हुआ है और आखिरी पन्ने पर उनके दादाजी के नाम के साथ उनका नाम लिखा हुआ है । संविधान की यह मूल पांडुलिपि आज भी संसद भवन में सुरक्षित है।

भारत का भविष्य-निर्माण, मांग, रोजगार के अवसर और आत्मनिर्भरता

गिरिराज सिंह

प्रत्येक भारतीय वस्त्र उत्पाद में कपड़े से कहीं आगे की कहानी छिपी होती है, यह कहानी साहस, आत्मविश्वास और शांत परिवर्तन से जुड़ी है। यह प्रतिबिंबित करती है कि कैसे एक महिला गरिमा के साथ कार्यबल में प्रवेश करती है, कैसे एक परिवार निरंतर आय के माध्यम से स्थिरता पाता है और किस प्रकार प्रथम-पीढ़ी का उद्यमी, कौशल को आत्मनिर्भरता में बदल देता है। पिछले 11 वर्षों में, माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्णायक और दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत का वस्त्र क्षेत्र एक पारंपरिक उद्योग से एक शक्तिशाली, रोजगार सृजक और जन-केंद्रित वृद्धि इंजन में बदल गया है, जो आत्मनिर्भर भारत की सच्ची भावना को दशार्ता है। भारत के वस्त्र उद्योग के पुनरुत्थान का आधार मजबूत घरेलू मांग और बढ़ते उपभोग में निहित है। 140 करोड़ से अधिक की आबादी के साथ, भारत दुनिया के सबसे सुदृढ़ वस्त्र बाजारों में से एक है। इस परिवर्तन का पैमाना आंकड़ों से स्पष्ट होता है। भारत का घरेलू वस्त्र बाजार केवल 5 वर्षों में लगभग 8.4 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर अनुमानित 13 लाख करोड़ रुपए हो गया। पिछले दशक में प्रति व्यक्ति वस्त्र उपभोग लगभग दोगुना हो गया है, जो 2014-15 के लगभग 3,000 रुपए से बढ़कर 2024-25 में 6,000 रुपए से अधिक हो गया और 2030 तक फिर इसके दोगुनी वृद्धि के साथ 12,000 रुपए होने का अनुमान है। इस मांग-आधारित विस्तार का प्रतिबिंब निर्यात में दिखाई पड़ता है। वस्त्र और परिधान का निर्यात 2019-20 के 2.49 लाख करोड़ रुपए, जिस वर्ष कोविड की आपदा आई थी, से बढ़कर 2024-25 में लगभग 3.5 लाख करोड़ रुपए हो गया। इस प्रकार कोविड के बाद के दौर में लगभग 28 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वस्त्र उद्योग भारत की रोजगार अर्थव्यवस्था का प्रमुख घटक है। आज, यह क्षेत्र कृषि के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा रोजगार-प्रदाता है, जो 2023-24 के अंत तक लगभग 5.6 करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष रूप से समर्थन दे रहा है। कार्यबल की यह संख्या 2014 की तुलना में लगभग दोगुनी हो गई है। कोविड के बाद का चरण विशेष रूप से परिवर्तनकारी रहा है- 2020 से निर्यात-केंद्रित विकास से केवल संगठित क्षेत्र में ही अनुमानित 1.5 करोड़ नई नौकरियों का सृजन हुआ है। इस निर्यात सुदृढ़ता के पीछे एक निर्णायक बदलाव छिपा है, जो क्षमता-आधारित वृद्धि की दिशा में किया गया है। पिछले दशक में वस्त्र क्षेत्र का विस्तार एक अनजानी नायिका, सिलाई मशीन, की शक्ति से संभव हुआ। एक उपकरण से आगे बढ़ कर सिलाई मशीन वृद्धि के लिए एक उत्प्रेरक बन गई है, इससे यह बात साबित होती है कि कभी-कभी रोजगार और औद्योगिक स्तर पर सबसे बड़े परिवर्तन सबसे छोटी मशीनों से शुरू होते हैं। केवल कोविड के बाद ही, 1.8 करोड़ से अधिक सिलाई मशीनें भारत के उत्पादन इकोसिस्टम के लिए आयात की गई हैं। 2024-25 में, आयात 61 लाख मशीनों के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया, जो अब तक का सबसे अधिक है। प्रत्येक मशीन वस्त्र-से-परिधान मूल्य श्रृंखला में लगभग 1.7 श्रमिकों के रोजगार का समर्थन करती है। परिणामस्वरूप, महामारी के बाद सिलाई मशीन के आयात में वृद्धि से वस्त्र क्षेत्र में 3 करोड़ से अधिक नौकरियों का सृजन हुआ है, इस प्रकार क्षमता विस्तार को बड़े पैमाने पर रोजगार वृद्धि के साथ मजबूती से जोड़ा गया है। महत्वपूर्ण यह है कि रोजगार सृजन केवल आधुनिक कारखानों तक सीमित नहीं रहता। जब इकाइयां उन्नत होती हैं, तो पुरानी मशीनें ग्रे मार्कीट में चली जाती हैं और छोटे उद्यमों, सिलाई इकाइयों और घरेलू व्यवसायों द्वारा इनका पुनरू उपयोग किया जाता है, जिससे जमीनी स्तर पर रोजगार का विस्तार होता है। इस विकेंद्रीकृत विस्तार के केंद्र में महिलाएं, ग्रामीण युवा और पहली पीढ़ी के उद्यमी हैं। विशेष रूप से असंगठित खंड में इस रोजगार के पूरे पैमाने की पहचान करने और समझने के लिए, सरकार जिला नेतृत्व में वस्त्र रूपांतरण (डी.एल.टी.टी.) पहल को आगे बढ़ा रही है, जो यह सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखता है कि रोजगार वृद्धि केवल संख्या में बड़ी न हो, बल्कि कौशल, सामाजिक सुरक्षा और दीर्घकालिक स्थिरता द्वारा समर्थित भी हो। 2030 के लिए हमारा विजन स्पष्ट है- वस्त्र उद्योग को भारत में रोजगार सृजन और समावेशी विकास के सबसे मजबूत इंजनों में से एक के रूप में स्थापित करना। फास्ट फैशन एक शक्तिशाली नए संचालक के रूप में

रेलवे प्रेक्षागृह में देशभक्ति की गूंज, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन!

महाप्रबंधक उदय बोरवणकर ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया कार्यक्रम का शुभारंभ!

लोकायुक्त न्यूज

गोरखपुर। 77वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर 25 जनवरी 2026 को रेलवे प्रेक्षागृह, गोरखपुर में पूर्वोत्तर रेलवे कला समिति के तत्वावधान में भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर पूर्वोत्तर रेलवे महिला कल्याण संगठन (नरवो) की अध्यक्ष श्रीमती मनीषा बोरवणकर, वरिष्ठ रेल अधिकारी, विभागाध्यक्ष, कर्मचारी, छात्र-छात्राएं एवं उनके अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत देशभक्ति से ओतप्रोत समूह गीत ह्लभारती जय विजय करेंह्व से हुई। इसके बाद ह्लजय माँ भारतीह्व एकल गीत, कथक नृत्य एवं राम स्तुति ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। एन.ई. रेलवे के विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत समूह नृत्य एवं भारत स्काउट्स एंड गाइड्स तथा कला समिति द्वारा प्रस्तुत देशप्रेम पर आधारित लघु नाटक अत्यंत सराहनीय रहे। महाप्रबंधक श्री उदय बोरवणकर ने सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संविधान के आदर्शों को आत्मसात करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने पूर्वोत्तर रेलवे की प्रगति का उल्लेख करते हुए कर्मचारियों की गरिमा और बंधुत्व पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिससे पूरा सभागार देशभक्ति की भावना से गूंज उठा।

बांकेबिहारी मंदिर की गलियों में वीकेंड पर उमड़ा श्रद्धालुओं का हुजूम

–पैर रखने की भी नहीं जगह, पुलिसकर्मियों के छूटे पसीने

निरंजन धुरंधर/लोकायुक्त न्यूज

मथुरा। वृंदावन में ठाकुर बांके बिहारी के दर्शन के लिए रविवार को पट खुलते ही श्रद्धालुओं की भीड़ में पड़ी। विद्यापीठ चौराहा से लेकर मंदिर तक श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिसकर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। जगह-जगह मार्ग पर बैरियर लगाकर श्रद्धालुओं को रोक- रोक कर मंदिर की ओर भेजा। मंदिर के दोनों प्रवेश द्वारों पर श्रद्धालुओं की भीड़ रही।

रमेश चंद्र यादव के निधन पर उमड़ा शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का हुजूम

लोकायुक्त न्यूज

जौनपुर। थाना मड़ियाहूं तहसील अंतर्गत पल्टूपुर, बरसठी निवासी रमेश चंद्र यादव का 20 जनवरी 2026 को एपेक्स अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर अंतिम श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा रहा।

शोक व्यक्त करने पहुंचे लोगों ने रमेश चंद्र यादव को मिलनसार, सरल और विनम्र स्वभाव का व्यक्ति बताया। सभी का कहना था कि उनके निधन से गांव ने एक सच्चा मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत खो दिया है, जिसकी भरपाई निकट भविष्य में संभव नहीं है। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष राकेश कुमार मौर्य, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राजबहादुर यादव, जिला पंचायत सदस्य भारत यादव, सपा महासचिव राजदेव यादव, पूर्व ब्लॉक प्रमुख अभिमन्यु यादव, विधायक रागिनी सोनकर सहित अनेक जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, पुलिसकर्मी, पत्रकार और गणमान्य नागरिक शामिल रहे। अंतिम संस्कार वाराणसी स्थित मणिकर्णिका घाट पर किया गया, जहां सैनिकों की एक टुकड़ी ने उन्हें सलामी दी। शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाते हुए लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना की।

डे ऑन व्हील्स वूमेन कार रैली ट्रेजर हंट का भव्य आयोजन, 58 महिलाओं ने लिया हिस्सा

लोकायुक्त न्यूज

लखनऊ। टाइम्स ऑफ इंडिया, एनबीटी एवं एल्डिको के संयुक्त तत्वावधान में ह्यडे ऑन व्हील्सह्न वूमेन कार रैली ट्रेजर हंट का आयोजन 1090 चौराहे से किया गया। रैली को अपर्णा कुमार आईपीएस, ज्वाइंट सीपी क्राइम लखनऊ ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सजी-धजी कारों में आकर्षक परिधान पहनकर 58 महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली शहर के विभिन्न हिस्सों से होती हुई एल्डिको पहुंची। इस अवसर पर एनबीटी की ओर से सुधीर मिश्रा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में बेस्ट वुमन ड्राइवर, बेस्ट डेकोरेटेड कार, यंग ड्राइवर और एल्डेस्ट ड्राइवर को पुरस्कार व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। आयोजन ने महिला सशक्तिकरण और सुरक्षित ड्राइविंग का संदेश दिया।

बरगढ़ के पीड़ित परिवार से बसपा नेताओं ने की मुलाकात

चित्रकूट: बरगढ़ में 13 वर्षीय आयुष की अपहरण के बाद हत्या की घटना में बहुजन समाज पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकताओं ने रविवार को पीड़ित परिवार से मिलकर उन्हें ढाढस बंधाया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष अधिवक्ता शिवबाबू वर्मा, मंडल प्रभारी रावेंद्र कुमार, मंडल समन्वयक मानसिंह कुशवाहा, लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी मयंक द्विवेदी, पूर्व विधायक चन्द्रभान सिंह पटेल, रामलखन निषाद, रावेंद्र कुमार वर्मा, शिवबाबू गर्ग, फूलचंद खंगार, शंकर बाबा, वीरेंद्र कुमार पासी, अमरेंद्र विक्रम विक्रांत यादव, लाल सिंह पटेल, तीरथ फौजी, ज्ञान सिंह पटेल, पंकज मिश्रा, जितेंद्र सिंह, देव स्वरूप गुप्ता, प्रखर पटेल, संतोष कुमार वर्मा, जमुना प्रसाद केशरवानी, रोहित पटेल, अनिल कोल, जंगाली, सुनील पटेल, संतोष कोटेदार, सर्वेश श्रीवास, समयलाल, सुनील वर्मा, बद्री पटेल आदि मौजूद रहे।

घर के बाहर से सेंट्रो कार चोरी पुलिस ने चोरों की तलाश शुरू की

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में शनिवार तड़के एक घर के बाहर खड़ी सेंट्रो कार चोरी हो गई। पीड़ित कार मालिक ने इस संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। यह घटना सरोजनी नगर के सेक्टर ई, एलडीए कॉलोनी, कानपुर रोड पर हुई। यहां निवासी प्रदीप तिवारी की ग्रे रंग की सेंट्रो कार (यूपी 32 डीसी 0774) उनके भाई अनुराग तिवारी के मकान के बाहर खड़ी थी। प्रदीप तिवारी के भाई अनुराग तिवारी ने सुबह करीब 4.30 बजे बाहर कुछ हलचल सुनी। जब वह बाहर निकले, तो कार गायब मिली।

तेजपाल सिंह होंगे विश्व हिंदू परिषद एटा विभाग के नए विभाग संगठन मंत्री

एटा। प्रेम नगर गली नंबरद्द2 स्थित एक निजी निवास पर विश्व हिंदू परिषद (विहिप) द्वारा स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेविका ममता शर्मा द्वारा कपिल तिवारी मृगांक को स्मृति चिन्ह, शॉल एवं पटका भेंट कर उनके नवीन कार्यक्षेत्र चंद्र नगर विभाग में विभाग संगठन मंत्री बनने पर शुभकामनाएं दी गईं। कपिल तिवारी मृगांक अब तक एटा विभाग के विभाग संगठन मंत्री के रूप में संगठनात्मक दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रहे थे। इस अवसर पर विहिप के जिला उपाध्यक्ष शिवांग गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि 10 एवं 11 जनवरी को संपन्न हुई प्रांत बैठक में तेजपाल सिंह को विश्व हिंदू परिषद एटा विभाग का नवीन विभाग संगठन मंत्री नियुक्त किया गया है। संगठन ने उनके अनुभव और कार्यशैली पर विश्वास जताते हुए यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। स्नेह मिलन कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों ने तेजपाल सिंह के साथ अपने अनुभव साझा किए तथा संगठन को निरंतर सशक्त और विस्तारित करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में अभिनव मिश्रा (जिला उपाध्यक्ष), मुकेश राठौर, राजेश चौहान, अनुराग वशिष्ठ, सुनील चौहान, नितिन गुप्ता, दिव्यम चौहान, सौरभ सोलंकी, हरीश प्रताप सिंह सहित दर्जनों विहिप पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इज्जतनगर पुलिस ने हत्या के प्रयास में वांछित दो अभियुक्त किए गिरफ्तार-डंडा बरामद

बरेली। थाना इज्जतनगर पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में वांछित चल रहे दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त एक डंडा बरामद किया है। पुलिस ने दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार 16 नवंबर 2025 को कंजादासपुर थाना इज्जतनगर क्षेत्र में मकान निर्माण को लेकर हुए विवाद में अभियुक्त फजल उर्फ भोला पुत्र नरवर खां एवं रिजवान पुत्र वकील अहमद ने वादिनी जैनब पत्नी नरोज खां के घर में घुसकर मारपीट की थी। इस दौरान वादिनी के पुत्र रेहान, जेठ हासम खां तथा भतीजे जावेद खां के साथ लाठी-डंडों से हमला किया गया, जिससे तीनों को गंभीर चोटें आई थीं। मामले में थाना इज्जतनगर पर अभियोग पंजीकृत कर घायलों का चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया था।22 जनवरी की रात्रि मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने कंजादासपुर तिराहे से दोनों वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान अभियुक्त रिजवान की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त एक डंडा बरामद किया गया।गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध थाना में मामला दर्ज है।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक विजेंद्र सिंह, उप निरीक्षक हरवीर सिंह, उप निरीक्षक आफताब खान, हेड कांस्टेबल शोभित यादव एवं कांस्टेबल राहुल कुमार शामिल रहे।

पडरौना में राष्ट्रीय मतदाता दिवस का भव्य आयोजन,बीएलओ व सुपरवाइजर सम्मानित

लोकायुक्त न्यूज

ब्यूरो, कुशीनगर। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर हनुमान इंटरमीडिएट कॉलेज, पडरौना में शनिवार को भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने की। आयोजन का उद्देश्य नागरिकों में मताधिकार के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करना रहा। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं एवं आम नागरिकों को मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ एवं सुपरवाइजरों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके उपरांत मतदाता जागरूकता रैली को जिलाधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली के माध्यम से आमजन को अपने मताधिकार के प्रयोग हेतु प्रेरित किया गया। अपने संबोधन में जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती की नींव जागरूक और सक्रिय मतदाता पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि मतदान केवल अधिकार ही नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक कर्तव्य भी है। लोकतंत्र तभी सशक्त होगा जब हर नागरिक निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करेगा।उन्होंने विशेष रूप से युवाओं एवं प्रथम बार मतदान करने वाले मतदाताओं से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। साथ ही अधिकारियों, कर्मचारियों, बीएलओ एवं सुपरवाइजरों के योगदान की सराहना करते हुए मतदाता जागरूकता अभियान को निरंतर जारी रखने पर बल दिया। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे। विद्यालय के शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की।

सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र में केंद्रीय मंत्री कीर्तिवर्धन ने 573 युवाओं को बांटे नियुक्ति पत्र

लखनऊ। बिजनौर स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ग्रुप केंद्र में शनिवार को नियुक्ति पत्र वितरण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा विदेश मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने 573 से अधिक चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। यह समारोह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नई दिल्ली से 45 केंद्रों पर कुल 61 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करने के राष्ट्रव्यापी अभियान का हिस्सा था। कार्यक्रम में पुलिस महानिरीक्षक, मध्य क्षेत्र सीआरपीएफ अनिल कुमार, उप महानिरीक्षक रेंज लखनऊ एसएन मिश्रा और उप महानिरीक्षक ग्रुप केंद्र बिजनौर चित्त रंजन महापात्रा सहित कई अन्य विभागों के विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे। मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने युवाओं को संबोधित करते हुए शुभकामनाएं दीं और केंद्र सरकार की विकास योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए लगन, मेहनत और कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उप महानिरीक्षक चित्त रंजन महापात्रा ने मुख्य अतिथि और अन्य गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया और कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। समारोह के अंत में, ग्रुप केंद्र सीआरपीएफ लखनऊ के कमांडेंट सुदेश कुमार ने मंत्री कीर्तिवर्धन और सभी उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

भाजपा अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार ब्रज भूमि पहुंचे नितिन नवीन

—मुख्यमंत्री योगी और नितिन नवीन ने बांके बिहारी में पूजा की

- विधायक राजेश चौधरी की माता के निधन पर शोक व्यक्त किया

निरंजन धुरंधर/लोकायुक्त न्यूज

मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने मथुरा में बांके बिहारी मंदिर में पूजा-अर्चना की। नवीन का अध्यक्ष बनने के बाद यह ब्रज भूमि का पहला दौरा था। उन्होंने प्रदेश की सुख-समृद्धि और 'विकसित भारत' के लिए प्रार्थना की। दर्शन के बाद, दोनों नेताओं ने विधायक राजेश चौधरी के आवास पर जाकर उनकी दिवंगत माता को श्रद्धांजलि दी और परिवार को सांत्वना दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को बांके बिहारी की चौखट पर हाजिरी लगाई। दोनों नेताओं ने आराध्य के

चरणों में शीश झुकाकर विधि-विधान से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और नितिन नबीन ने ठाकुर जी के समक्ष दीपक प्रज्ज्वलित किया और पुष्प अर्पित किए। दर्शन के बाद मंदिर सेवायतों द्वारा उन्हें प्रसाद भेंट किया गया। भाजपा अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने के बाद पहली बार उत्तर प्रदेश की धरा 'ब्रज भूमि' पर पहुंचे नितिन नबीन ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ संग आध्यात्मिक व राजनीतिक कार्यक्रम में शिरकत की।

इस अवसर पर केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम भी साथ रहे। सीएम योगी के साथ गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण, बेसिक शिक्षा ।राज्य मंत्री संदीप सिंह, महापौर विनोद अग्रवाल, राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह, विधायक श्रीकांत शर्मा, मेघश्याम सिंह, राजेश चौधरी, पूरन प्रकाश, विधान परिषद सदस्य अशोक कटारिया, ओमप्रकाश सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य, जिलाध्यक्ष निर्मल पांडेय आदि ने भी बांके बिहारी के दर्शन कर पूजा अर्चना की।

गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगी मा० राज्य मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम

लोकायुक्त न्यूज/बैलिस्टर तिवारी

कुशीनगर। जनपद कुशीनगर में 26 जनवरी 2026 को आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय राज्य मंत्री श्रीमती विजय लक्ष्मी गौतम को शासन द्वारा नामित किया गया है। जिला प्रशासन द्वारा उनके आगमन को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। जारी कार्यक्रम के अनुसार मुख्य अतिथि प्रातः 07:30 बजे जनपद देवरिया से प्रस्थान कर प्रातः 08:30 बजे सर्किट हाउस, कुशीनगर पहुंचेंगी। इसके उपरांत प्रातः 09:25 बजे रिजर्व पुलिस लाइन के लिए रवाना होंगी तथा प्रातः 09:30 बजे ध्वजारोहण करेंगी। ध्वजारोहण के बाद प्रातः 09:35 बजे परेड निरीक्षण, प्रातः 09:45 बजे राष्ट्रगान एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

प्रातः 10:00 बजे उद्घाटन कार्यक्रम के बाद 10:15 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं पुरस्कार वितरण किया जाएगा। इसके पश्चात स्वल्पाहार एवं अन्य कार्यक्रम सुविधानुसार आयोजित होंगे। गणतंत्र दिवस समारोह को भव्य एवं गरिमामय बनाने के लिए प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक प्रोटोकॉल और व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

बांकेबिहारी मंदिर में मुख्यमंत्री के सामने सेवायतों का प्रदर्शन, पुलिस से धक्कामुक्की

— सेवायत परिवार की महिलाओं से भी की अभद्रता

निरंजन धुरंधर/लोकायुक्त न्यूज

वृंदावन/मथुरा। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में रविवार को दर्शन करने पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के सामने मंदिर अधिग्रहण और गलियारा का विरोध दर्ज करने पहुंचे सेवायतों के साथ पुलिस की धक्का मुक्की की।

मंदिर की कोठरी में बंद कर दिए। इसे में एक सेवायत जानी गोस्वामी के कपड़े भी फट गए। दूसरी ओर मंदिर में मुख्यमंत्री के सामने विरोध दर्ज करने पहुंच रहीं महिलाओं के साथ गेट संख्या चार पर महिलाओं को रोकना शुरू कर दिया। इसे में जब महिलाएं अंदर जाने लगीं तो पुलिस और सुरक्षा कर्मियों ने अभद्रता करते हुए धक्का मुक्की कर गेट से बाहर कर दिया। महिलाएं परिक्रमा में होकर मंदिर चबूतरे पर पहुंचने को निकलीं तो परिक्रमा का गेट बंद कर दिया। यहां महिलाओं ने मंदिर अधिग्रहण और गलियारा विरोधी नारे लगाए।

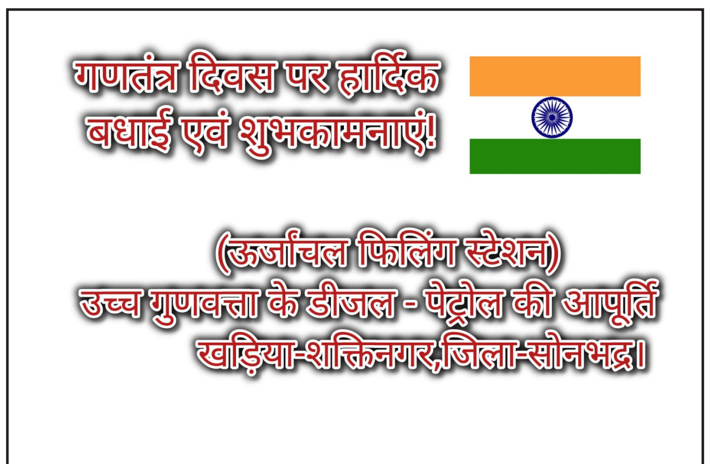

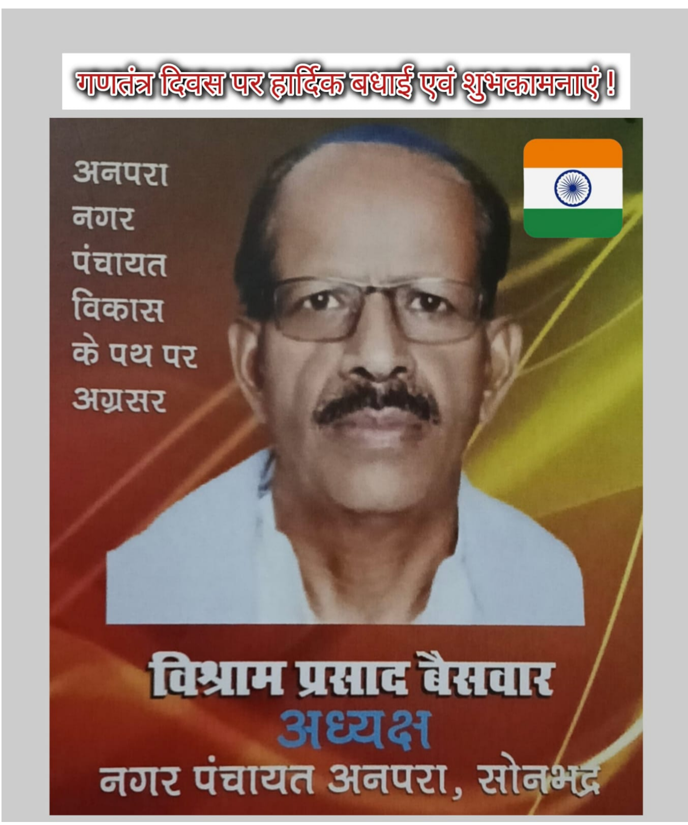

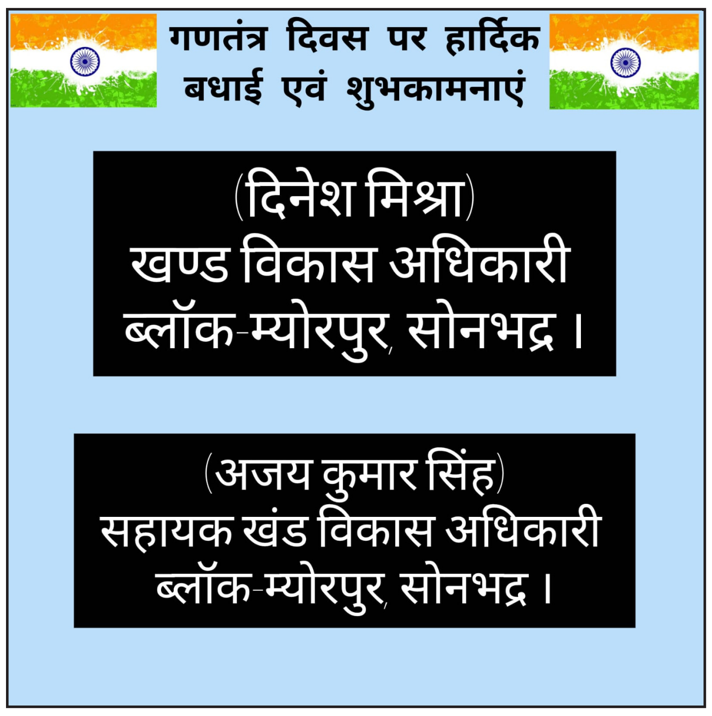

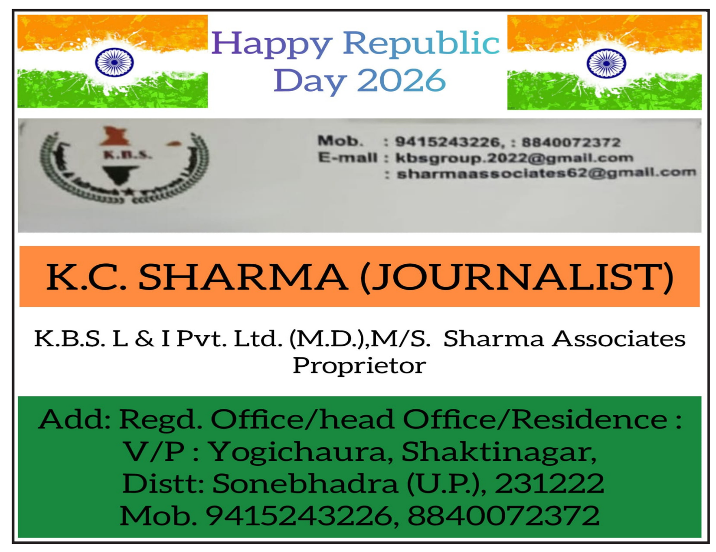

लोकायुक्त हिन्दी दैनिक

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक, इशरत आलम लारी द्वारा जकरिया ऑफसेट 150/151 फूलबाग़,हुसैनगंज, लखनऊ (उ.प्र.) से मुद्रित तथा 311-एफ.आई.धिगरा अपार्टमेंट,60-गुरू गोविन्द सिंह मार्ग,लालकुआं,जनपद लखनऊ,226001 उ.प्र. से प्रकाशित।
मुद्रक एवं प्रकाशक-इशरत आलम लारी मो0-8318594586, संपादक-सैयद अफज़ल अली शाह मो0-9454419487 (RNI. No.: UPHIN/2015/63472) Email:-lokayukt.india@gmail.com /lokayukt.in@gmail.com (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।)